भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2766

18 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

सेना में पशुओं के उपयोग संबंधी नीतियाँ

2766. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सैन्य बलों में पशुओं के उपयोग संबंधी विस्तृत नीतियाँ तैयार करने के लिए प्रस्तुत अभ्यावेदन पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) सैन्य और सुरक्षा अभियानों के लिए पशुओं को प्रशिक्षित करने हेतु क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) वर्तमान में सैन्य बलों में कितने पशु हैं और वे कौन-कौन सी प्रजातियों के हैं, उन्हें सुरक्षित भोजन और उचित स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या सैन्य बलों में प्रयुक्त पशुओं के संबंध में अन्य हितधारकों के सहयोग से कोई शोध किया जा रहा है?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) से (घ) पशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण की निगरानी सैन्य पशुचिकित्सकों और प्रशिक्षित सहायक स्टाफ द्वारा की जाती है। इन पशुओं के सेवाकालीन और सेवानिवृत्ति के पश्चात प्रबंधन से संबंधित विस्तृत नीतियां घोषित और लागू की जाती हैं। कुत्तों और खच्चर जैसे पशुओं को सैन्य और सुरक्षा ऑपरेशनों में सेना के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। वर्तमान में, सेना के पास लगभग 12,600 पशु हैं जिनमें घोड़े, खच्चर, ऊंट, कुत्ते आदि शामिल हैं।

सभी पशुओं को प्राधिकृत राशन दिया जाता है जिन्हें उनसे संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैज्ञानिक तरीके से डिजाइन किया जाता है। सभी पशुओं की विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए अनिवार्य रूप से विशेष/आवधिक चिकित्सा जांच और नियमित जांच की जाती है। इन पशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने और उसे बेहतर बनाने के लिए सेना द्वारा विभिन्न सरकारी संगठनों/संस्थानों और प्रतिष्ठित विभागों के सहयोग से नियमित रूप से अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की जाती हैं।

*****